पाठ 4 भवा भिनौखा

भवाभिनौखा चिरई बोलय

लरिका सोय कै आंखी खोलय

नीक लरिकवा मंजन करंयी

मंजन करिकै कुल्ला करयीं

कुल्ला करय मुंह धोंवेंरोज

मलि मलि दहें नहावे रोज

नहाय धोय कै खाना खावैं

फिर अपने स्कूले जावैं

शब्दार्थ

भवा -हुआ ,**भिनौखा** -सुबह
चिरई -चिड़िया ,**नीक** -अच्छे